# भजन

तर्ज–तुमको देखा तो ये ख्याल

लाड में इश्क के दिखाई माया
कैसा ये इश्क का सबब पाया

1–इश्क के मद में धाम में रहते थे
जाम वाणी का तुमने है पिलाया

2–हम जिसे दुख भरी समझते है
खेल है मेहर का तुमने फरमाया

3–इश्क सागर तक धाम में घूमते थे
बाकी तीनो का भेद समझाया

4–इलम निसबत मेहर को अब जाने
अपनी साहेबी को तुमने दर्शाया